भारतसरकार
GOVERNMENT OF INDIA
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
मौसम केंद्र,बिरसा मुंडा विमानपत्तन
METEOROLOGICAL CENTRE, BIRSA MUNDA AIRPORT
राँची, झारखण्ड, पिन- 834002
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002
दूरभाष/Telephone: 2970311/2253254/2251709/253879 फैक्स/Fax: 0651-2251709/2253879
Website: http://mausam.imd.gov.in/ranchi/ e-mail: metranchi@gmail.com, mcranchi.fs@gmail.com

Years of Service to the Nation
राष्ट्र सेवा के 150 वर्ष

प्रेस विज्ञप्ति **दिनांक: 23.08.2025**

विशेष बुलेटिन- 13

विषय: झारखण्ड में दिनांक 23 से 25 अगस्त 2025 के लिए भारी से अत्यंत भारी वर्षा की प्रभाव आधारित चेतावनी

मौसम प्रणाली (Synoptic System): (0830 IST के अनुसार)

- पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों पर निम्न दबाव का क्षेत्र (A Low Pressure Area) आज, 23 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST पर भी बना हुआ है। इससे जुड़ा ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण (Upper Air Cyclonic Circulation) औसत समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके झारखंड से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और उसके बाद धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है।
- औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका (Monsoon Trough) अब गंगानगर, ग्वालियर, बांदा, देहरी, पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों पर निम्न दबाव क्षेत्र (A Low Pressure Area) के केंद्र से होकर गुजरती है और फिर पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक जाती है।
- उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों और दक्षिण उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों पर ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण(Upper Air Cyclonic Circulation) बना हुआ है और अब समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- 25 अगस्त 2025 के आसपास ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट के पास उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र (A Low Pressure Area) बनने की संभावना है।

प्रभाव :

इस मौसमी प्रणाली के प्रभाव से झारखंड के कई जिलों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना है। जनता से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। इस दौरान वज्रपात और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) की भी संभावना है।

- भारी वर्षा से प्रभावित होने वाले जिले :

दिनांक	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला,हज़ारीबाग, खूंटी,रामगढ, लोहरदगा कोडरमा, धनबाद)जिले	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वीसिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ) जिले	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू,गढ़वा,चतरा, लातेहार) जिले	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुरतथा साहेबगंज) जिले
23.08.25	राज्य के पलामू,गढ़वा एवं चतरा जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से अत्यंत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के लातेहार, राँची, खूंटी, लोहरदगा , पूर्वीसिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम एवं सरायकेला खरसावाँ जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के गुमला, सिमडेगा, हज़ारीबाग, कोडरमा, धनबाद, बोकारो, रामगढ, एवं गिरिडीह जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
24.08.25	राज्य के पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, बोकारो, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, राँची, रामगढ, हज़ारीबाग, कोडरमा, धनबाद, एवं गिरिडीह जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
25.08.25	राज्य के पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, लोहरदगा,गुमला, सिमडेगा, खूंटी, राँची, पूर्वीसिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम एवं सरायकेला खरसावाँ जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			

- भारी वर्षा वाले जिलोंकोनीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है।

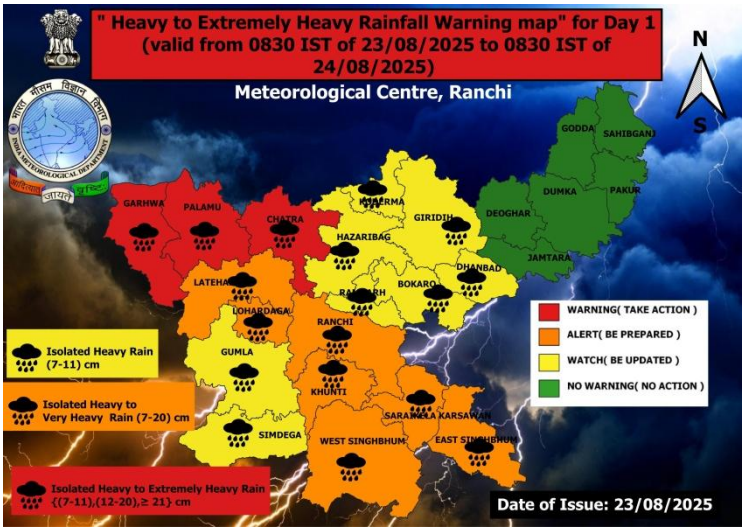

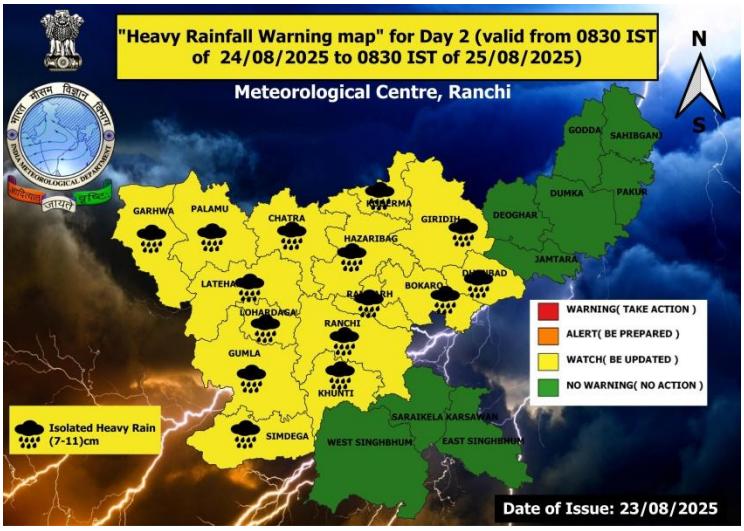

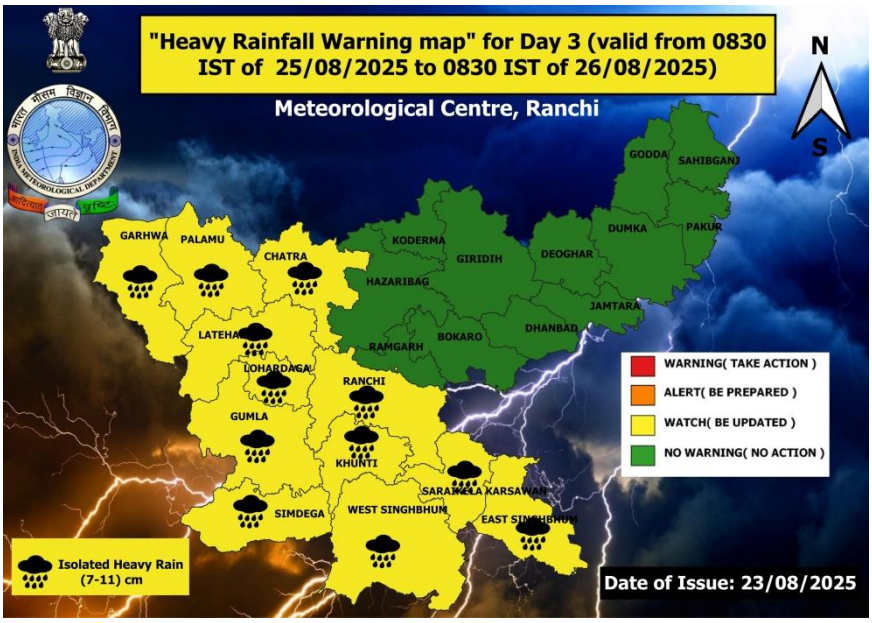

आकस्मिक बाढ़ के खतरे (FFR) पर 24-08-2025 की सुबह 11:30 बजे (IST) तक अगले 24 घंटों का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विज्ञान उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आस-पड़ोस के इलाकों में मध्यम दर्जे की आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

झारखंड - बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, हज़ारीबाग़, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

24 hours Outlook for the Flash Flood Risk (FFR) till 1130 IST of 24-08-2025 :

Moderate flash flood risk likely over few watersheds & neighbourhoods of following Met Sub-divisions during next 24 hours.
Jharkhand - Bokaro, Dhanbad, East Singhbhum, Garhwa, Gumla, Hazaribagh, Khunti, Latehar, Lohardaga, Palamu, Ramgarh, Ranchi, Saraikela, Simdega and West Singhbhum districts.

Low to Moderate flash flood risk likely over few watersheds & neighbourhoods of following Met Sub-divisions during next 24 hours.

Chhattisgarh - Balarampur, Bilaspur, Jashpur, Korba, Korea, Mungeli, Raigarh, Surajpur and Surguja districts.

Surface runoff/ Inundation may occur at some fully saturated soils & low-lying areas over Area of Concern (AoC) as shown in map due to expected rainfall occurrence in next 24 hours.

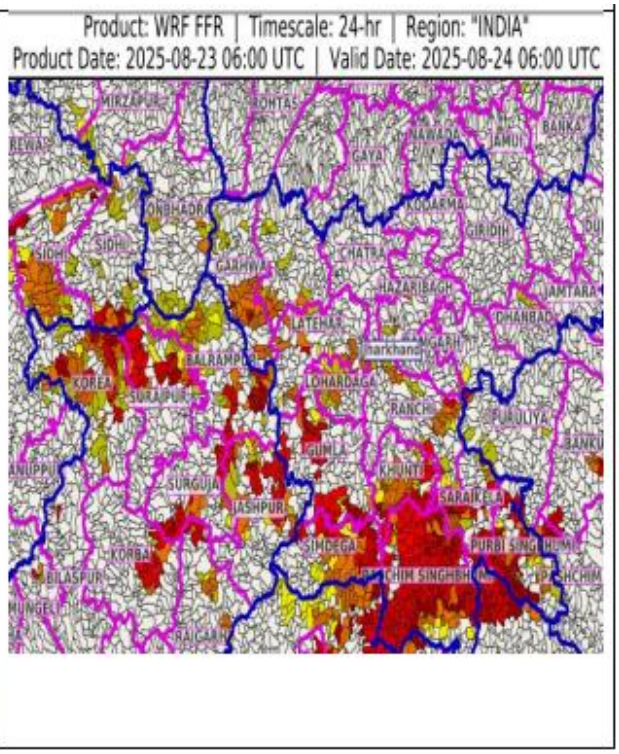

- **सम्भावित प्रभाव:**

लाल रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए:

1.सड़कों को अवरुद्ध करना/सडकों का बह जाना ।

2. मैदानी इलाकों में गंभीर बाढ़, खनन बाढ़, विशेष रूप से धनबाद और बोकारो जिलों जैसे खनन क्षेत्रों में इमारत ढहना।

3. बिजली, पानी आदि जैसी सामुदायिक सेवाएं बड़े पैमाने पर प्रभावित होंगी ।

4. कृषि और बागवानी फसल और वृक्षारोपण को बड़ा नुकसान।

5.जान-माल के नुकसान की कई घटनाएं ।

नारंगी रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए:

1. कई स्थानों पर भारी वर्षा या तीव्र वर्षा के कारण भूस्खलन।

2.पहाड़ियों में कुछ घंटों से लेकर कई दिनों तक आपूर्ति और परिवहन कुछ स्थानों पर प्रभावित रहेगा ।

3.कृषि और बागवानी फसल और वृक्षारोपण को मामूली क्षति ।

4. जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलग-अलग मामले ।

पीले रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए:

1.कृषि और बागवानी फसल और वृक्षारोपण को मामूली क्षति ।

2. निचले इलाकों में जलजमाव ।

अतः मौसम केंद्र ,राँची द्वारा बताए गए निम्न बातों का ध्यान रखें :

लाल रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए परामर्श :

- बाढ़ वाले इलाकों में गाड़ी न चलाएँ। अगर आपकी कार के आसपास बाढ़ का पानी बढ़ जाए, तो कार को वहीं छोड़ दें और अगर आप सुरक्षित रूप से ऐसा कर सकें तो ऊँची जगह पर चले जाएँ। आप और आपकी गाड़ी तेज़ी से बह सकते हैं।
- ध्यान रखें कि अचानक बाढ़ आ सकती है। अगर अचानक बाढ़ आने की कोई संभावना हो, तो तुरंत ऊँची जगह पर चले जाएँ। आगे बढ़ने के लिए निर्देशों का इंतज़ार न करें।

नारंगी रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए परामर्श :

- मछली पकड़ने/कैम्पिंग या किसी अन्य गतिविधि के लिए नदी में जाने से बचें;
- छप्पर वाले घरों का निर्माण मजबूत होना चाहिए और तेज हवाओं/भूस्खलन को झेलने में सक्षम होना चाहिए;
- बिना समय बर्बाद किए भूस्खलन पथ या निचली घाटियों से तुरंत दूर चले जाएं;
- निर्माण और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने से बचने का प्रयास करें;
- खड़ी ढलानों और जल निकासी पथ के पास घर न बनाएं;
- जानकारी के लिए रेडियो या टेलीविजन सुनें;

पीले रंग की चेतावनी वाले क्षेत्रों के लिए परामर्श :

- नालियों को साफ रखें, कूड़े, पत्ते, प्लास्टिक की थैलियां, मलबा आदि के लिए नालियों का निरीक्षण करें;
- बहते पानी में न चलें। छह इंच बहता पानी आपको गिरा सकता है। अगर आपको पानी में चलना ही है तो वहां चलें जहां पानी न बढ़ रहा हो ।
- अपने सामने जमीन की मजबूती की जांच करने के लिए एक छड़ी का उपयोग करें;
- जानकारी के लिए रेडियो या टेलीविजन सुनें ।

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र,रांची